स्वार्थ की दुनिया को छोड़ के आया बाबोसा तेरे द्वार लिरिक्स

स्वार्थ की दुनिया को छोड़ के,
आया बाबोसा तेरे द्वार,
स्वार्थ की दुनियां को छोड़ के,
आया मैं तेरे द्वार,
सुनलो ये मेरी पुकार,
मैं तो गया हूं हार,
सुनलो बाबोसा सरकार,
करो विनती मेरी स्वीकार,
सुनलो ये मेरी पुकार।bd।

तर्ज – नफरत की दुनिया को।

हर खुशी हुई ओझल,
छाये गम के अंधेरे,
जो कल तक थे अपने,
वो आज नही मेरे,
एक यही अरदास,
बनू में प्रभु चरणो का दास,
कर दो प्रभु उपकार,
सुनलो ये मेरी पुकार।bd।

अब छोड़कर तुमको,
कही और नही जाऊँ,
तेरी चोखट पे 'दिलबर',
सारी उम्र बिताऊँ,
कहे देव ये बारम्बार,
छुटे ना तेरा ये दरबार,
बाबोसा सरकार।bd।

स्वार्थ की दुनिया को छोड़ के,
आया बाबोसा तेरे द्वार,
स्वार्थ की दुनियां को छोड़ के,
आया मैं तेरे द्वार,
सुनलो ये मेरी पुकार,
मैं तो गया हूं हार,
सुनलो बाबोसा सरकार,
करो विनती मेरी स्वीकार,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
नागदा जक्शन म.प्र.
9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com